RNI NO. : MAHHIN/2019/77511 | मुंबई : शुक्रवार 21 जुलाई 2023 | वर्ष 05 | अंक 89 | संपादक : फैसल शेख | पृष्ठ : 8 | कीमत : 03 रुपये

दैनिक
रोकठोक लेखनी
®
खबरें बे-रोकटोक

Read E Newspaper at Paper Boy App, Magzter App, Jio News App, Paytm App, Dailyhunt App

बारिश के कारण रेंगती नजर आई मुंबई !

मुंबई, बारिश के कारण जोगेश्वरी में उत्तर और दक्षिण दिशा में वेस्टर्न एक्सप्रेस हाइवे पर भारी ट्रैफिक जाम लग गया। वहीं अंबरनाथ और बदलापुर में सेंट्रल लाइन पर ट्रैक पर पानी भर जाने के कारण बड़ी संख्या में यात्री ट्रेनों का इंतजार करते रहे।

ट्रेन सेवाओं और सड़क यातायात के प्रभावित होने के चलते मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने आदेश दिया कि मुंबई और उसके आसपास के क्षेत्र में सरकारी कार्यालय समय से पहले बंद कर दिए जाएं ताकि कर्मचारियों को घर पहुंचने के लिए थोड़ा अधिक समय मिल सके। बारिश के चलते बुधवार को लोकल ट्रेन सेवाएं प्रभावित रहीं, जिससे यात्रियों को ट्रेन में चढ़ने के लिए काफी मशक्कत करनी पड़ी। वहीं, प्लेटफॉर्म पर भीड़ बढ़ने और ट्रेन के नहीं आने से परेशान यात्रियों को गांव जाने वाली ट्रेनों का सहारा मिला। रोजाना लोकल ट्रेन में सफर करने वाले यात्री भी अपने गंतव्य स्थान तक पहुंचने के लिए मेल और एक्सप्रेस ट्रेनों में सवार हुए। यात्रियों की सुरक्षा के लिए प्लेटफॉर्म पर तैनात सुरक्षाकर्मी भी स्टेशनों पर यात्रियों को इन ट्रेनों में चढ़ाते हुए नजर आए। मुंबई जाम में रेंगती नजर आई। लोकल ट्रेनों की स्पीड भी डाउन रही। बारिश और जलभराव के चलते 50 जोड़ी ट्रेनें कैंसल रहीं। इस वजह से स्टेशन पर काफी देर तक लोग घर जाने के लिए इंतजार करते रहे। गुरुवार को भी बारिश के अलर्ट के चलते मुंबई में 20 जुलाई को सभी स्कूल बंद रहेंगे। इसके अलावा पालघर, रायगढ़, रत्नागिरी और ठाणे में भी स्कूलों में एक दिन की छुट्टी की घोषणा की गई। राज्य आपदा प्रबंधन इकाई ने भारी से बहुत भारी बारिश की भविष्यवाणी के कारण 20 जुलाई को मुंबई, ठाणे, पालघर, रायगढ़, रत्नागिरी और सिंधुदुर्ग जिलों के स्कूलों में छुट्टी की घोषणा की है। मुंबई के कई इलाकों में भारी बारिश हुई। मौसम में आए तेज बदलाव ने मॉनसून की तीव्रता को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। मौसम विभाग के मुताबिक, मुंबई के कोलाबा में 94 एमएम, फोर्ट में 82 एमएम, मालाबार हिल में 67 एमएम, सांताक्रूज में 90 एमएम, रे रोड में 92 एमएम, भायखला में 72 एमएम, मुलुंड में 67 एमएम, दहिसर में 84 एमएम, कांदिवली में 89 एमएम, बोरीवली में 71 एमएम बारिश रेकॉर्ड की गई।

भायंदर में इमारत का हिस्सा ढहा, 1 की मौत, 4 घायल

भायंदर, भायंदर (पूर्व) की एक इमारत का हिस्सा अचानक ढह गया। इससे कई लोग मलबे की चपेट में आ गए। सूचना मिलते ही मौके पर पुलिस और फायर ब्रिगेड पहुंची और बचाव अभियान शुरू किया। रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस हादसे एक व्यक्ति की मौत हो गई है और चार अन्य लोग घायल हो गए हैं। मृतक की पहचान दुर्गा अवधेश राम के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि मृतक भायंदर रेलवे स्टेशन पर जूते पॉलिश करने का काम करता था।

मुंबई में कोविड घोटाला:
लाइफलाइन हॉस्पिटल ने फर्जी एटेंडेंसशीट दिखाकर हड़पे करोड़ों रुपए, ईडी ने दो किया किया अरेस्ट

मुंबई: प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मुंबई जंबो कोविड सेंटर घोटाले के सिलसिले में दो लोगों को गिरफ्तार किया. गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों की पहचान लाइफलाइन हॉस्पिटल मैनेजमेंट सर्विसेज के सुजीत पाटकर और एक डॉक्टर किशोर बिसुरे के रूप में की गई है. इन्हें मुंबई में दो जंबो कोविड सेंटर चलाने का ठेका मिला था. आरोप लगाया गया है कि पाटकर को जंबो कोविड सेंटर चलाने का ठेका मिला, लेकिन अस्पतालों में मेडिकल स्टाफ तैनात नहीं किया गया और सरकारी धन की हड़प लिया. दोनों को एक विशेष पीएमएलए अदालत के समक्ष पेश किया गया, जिसने उन्हें 27 जुलाई तक ईडी की हिरासत में भेज दिया. ईडी ने मुंबई के आजाद मैदान पुलिस स्टेशन द्वारा दर्ज एक एफआईआर के आधार पर 21 नवंबर, 2022 को पीएमएलए जांच शुरू की थी. बाद में आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) ने जांच की और 27 अप्रैल, 2023 को आरोपपत्र दाखिल किया. ईडी की जांच में पता चला कि मार्च 2020 में महामारी के दौरान नगर निकायों ने उपाय किए और मुंबई के अधिकार क्षेत्र में सभी उपलब्ध अस्पतालों में कोविड रोगियों के लिए बिस्तरों की कमी को दूर करने के लिए जंबो कोविड केंद्र स्थापित किए. सभी नागरिकों को उपचार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से बड़ी संख्या में बिस्तरों (ऑक्सीजनयुक्त, गैर-ऑक्सीजनयुक्त और आईसीयू) के साथ इन केंद्रों की स्थापना की गई थी. पता चला कि लाइफलाइन हॉस्पिटल मैनेजमेंट सर्विसेज को कोविड केंद्रों में चिकित्सा कर्मियों की आपूर्ति के लिए बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) से 31,84,71,634 रुपये मिले. जांच में लाइफलाइन हॉस्पिटल मैनेजमेंट सर्विसेज (एलएचएमएस) के कर्मचारियों द्वारा बीएमसी को सौंपे गए उपस्थिति पत्रक (एटेंडेंसशीट) और दस्तावेजों में भारी विसंगतियां सामने आईं.

संपादकीय / लेख

फैसल शेख
(प्रधान संपादक)

ट्रायल से छूट

कल तक देश के मेडल विजेता पहलवानों के विरोध प्रदर्शन के कारण सुर्खियों में आई भारतीय कुश्ती अब इनमें से कुछ पहलवानों को एशियन गेम्स 2023 में बगैर ट्रायल एंट्री दिए जाने से खड़े हुए विवाद को लेकर चर्चा में है। इंडियन ओलिंपिक असोसिएशन के एडहॉक पैनल ने मंगलवार को एक सर्कुलर में कहा कि उसने मेंस फ्री स्टाइल 65 किलो और विमिंस 53 किलो कैटिगरी में पहलवानों का चयन पहले ही कर लिया है और अब तीनो स्टाइलों की छह-छह वेट कैटिगरी में ही ट्रायल होगा। बाद में इस बात की पुष्टि की गई कि जिन पहलवानों को ट्रायल से छूट मिली है, उनके नाम बजरंग पूनिया और विनेश फोगाट हैं। इसके बाद स्वाभाविक ही उन पहलवानों को निराशा हुई, जो इन कैटिगरीज में एशियन गेम्स जाने की उम्मीद लगाए हुए थे और ट्रायल में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने की तैयारी कर रहे थे। इनके करीबी लोगों ने यह संकेत दिया है कि वे इस फैसले के खिलाफ कोर्ट जा सकते हैं। हालांकि जहां तक नियमों की बात है तो ओलिंपिक समिति पर दायरे के बाहर जाकर फैसला करने का आरोप नहीं लगाया जा सकता। मौजूदा नियमों के मुताबिक, सिलेक्शन कमिटी चाहे तो ओलिंपिक और वर्ल्ड चैंपियनशिप मेडलिस्टों के मामले में अपने विवेकाधिकार का इस्तेमाल करते हुए उन्हें ट्रायल से छूट दे सकती है।

इसलिए यहां सवाल सिर्फ इस विवेकाधिकार के इस्तेमाल का है। इसमें दो राय नहीं कि बजरंग पूनिया और विनेश फोगाट दोनों ही उस श्रेणी में आते हैं और उन्हें समिति के विवेकाधिकार का फायदा मिल सकता है, लेकिन रवि दहिया भी इस श्रेणी में आते हैं और उन्हें फायदा नहीं दिया गया। अगर दलील यह दी जाए कि लंबे समय तक विरोध प्रदर्शन में शामिल रहने के कारण इन दोनों पहलवानों की तैयारियों पर असर पड़ा होगा तो फिर यह सवाल और बड़ा हो जाता है कि क्या इन दोनों पहलवानों को छूट देकर एशियन गेम्स में देश की मेडल जीतने की संभावनाओं को कम कर दिया गया है?

हालांकि यह बात भी ध्यान में रखने की है कि मेडल विजेता पहलवानों को ट्रायल से छूट का यह कोई पहला मामला नहीं है। संभावना यह भी है कि ये दोनों पहलवान एशियन गेम्स में मेडल जीत कर आलोचकों का मुंह बंद कर दें। मगर भूलना नहीं चाहिए कि अपना करियर तक दांव पर लगाकर यही पहलवान अभी हाल तक सड़कों पर बैठे थे, जिसका उद्देश्य था देश की कुश्ती को कथित गंदगी से मुक्त करना। ऐसे में खुद अपने लिए ट्रायल से छूट हासिल कर कुश्ती को विवादों में फंसाना कैसे उचित कहा जा सकता है? सबसे अच्छा विकल्प अब यही बचता है कि ये पहलवान खुद घोषणा करें कि वे इस छूट का इस्तेमाल नहीं करेंगे और ट्रायल से गुजरकर ही एशियन गेम्स में एंट्री लेंगे।

+91 99877 75650
editor@rokthoklekhaninews.com
Faisal Shaikh @faisalshaikh_91

रायगढ़ में भूस्खलन से पांच की मौत!

100 के करीब लोग दबे, मौके पर पहुंचे CM शिंदे

महाराष्ट्र : महाराष्ट्र के रायगढ़ में एक बड़ा हादसा हुआ है। दरअसल रायगढ़ में हुए भूस्खलन में 30 से ज्यादा परिवारों के फंसे होने की आशंका है। बता दें कि रायगढ़ की खालापुर तहसील के इरशालवाड़ी गांव में यह हादसा हुआ, जिसमें करीब 100 लोग फंसे हुए हैं। जिस जगह हादसा हुआ, वह मोरबी बांध से छह किलोमीटर दूर है। हादसे में कई लोगों को मारे

जाने की आशंका है। अभी तक पांच शव बरामद हो चुके हैं और तीन लोग घायल हैं। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे भी घटनास्थल पहुंचे हैं।

राहत और बचाव कार्य जारी

रायगढ़ के जिलाधिकारी योगेश महासे ने बताया कि घटना मध्य रात्रि की है। एक टीम, जिसमें सब डिविजनल ऑफिसर और तहसीलदार शामिल हैं, घटनास्थल पर पहुंच चुकी है। जिलाधिकारी ने बताया कि भूस्खलन जिस जगह हुआ, वहां पहुंचने के लिए दो घंटे की चढ़ाई करनी पड़ती है, जिसकी वजह से राहत और बचाव कार्य चुनौतीपूर्ण है। घटना की सूचना मिलते ही मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने भी अधिकारियों को फोन कर घटना की जानकारी ली और गुरुवार सुबह वह घटनास्थल पहुंच गए। वहीं पनवेल और नवी मुंबई के सभी अस्पतालों को सूचित कर दिया गया है और उन्हें प्रभावितों को सभी जरूरी चिकित्सा सेवाएं मुहैया कराने के निर्देश दिए गए हैं।

गृहमंत्री अमित शाह ने घटना की जानकारी ली

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे से फोन पर घटना की जानकारी ली है। अमित शाह ने ट्वीट करते हुए लिखा कि 'महाराष्ट्र के रायगढ़ में तेज बारिश से हुए भूस्खलन के संबंध में मैंने मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे से बात की। एनडीआरएफ की चार टीमें घटनास्थल पर पहुंच गई हैं और स्थानीय प्रशासन के साथ बचाव कार्यों में जुटी हैं। लोगों को वहां से निकालना व घायलों को तुरंत उपचार देना हमारी प्राथमिकता है।'

रायगढ़ में भारी बारिश का रेड अलर्ट

वहीं मौसम विभाग ने गुरुवार को रायगढ़ में भारी बारिश का रेड अलर्ट जारी किया है। जिला प्रशासन ने एनजीओ से अपील की है कि वह एनडीआरएफ की मदद के लिए आगे आएं ताकि जल्द से जल्द बचाव कार्य को पूरा किया जा सके। एनडीआरएफ की दो टीमें मौके पर पहुंच चुकी हैं। साथ ही चार एंबुलेंस भी मौके पर मौजूद हैं। हादसा जिस जगह हुआ, वहां आदिवासी लोग रहते हैं। हादसे में घटनास्थल पर पांच-छह मकान और एक स्कूल सुरक्षित बच गए। बारिश के चलते 10-12 लोग स्कूल में रुके हुए थे, जिसकी वजह से उनकी जान बच गई। वहीं पांच लोग मछली पकड़ने मोरबी बांध गए हुए थे, उनकी भी जान बच गई है।

पहले पुनर्वसन उसके बाद शुरू होगा सड़को के चौड़ीकरण का काम

विधानपरिषद में नगरविकास मंत्री उदय सामंत की घोषणा

मुंबई : राज्य के नगरविकास मंत्री उदय सामंत ने कहा कि मुंबई विकास में बाधित लोगों को उसी परिसर में स्थांतरित करने का पूरा प्रयास सरकार करेगी। बुधवार को विधानपरिषद में शिवसेना यूबीटी के सदस्य सुनील शिंदे ने प्रश्नोत्तर के माध्यम से वर्ली के गणपतराव कदम और केशवराव खाड़े मार्ग के चौड़ीकरण के कारण बड़ी संख्या में बेघर हो रहे लोगों का मुद्दा सदन में उठाया था जिसके जवाब में सामंत बोल रहे थे। मंत्री सामंत ने कहा कि गणपतराव कदम मार्ग सहित तीन सड़कों के चौड़ीकरण का काम करीब दो साल बाद शुरू होगा। इसलिए स्थानीय लोगों को घबराने की आवश्यकता नहीं है। सड़को के चौड़ीकरण में बाधित होने वाले लोगों को स्थांतरित करने के बाद ही मार्ग का काम शूरू किया जाएगा। नगरविकास मंत्री ने कहा कि मुंबई में परियोजना से प्रभावितों के पुनर्वास के बारे में नीति तैयार करने के लिए समिति का गठन भी किया जाएगा। जिसमें मुंबई के सभी दलों के एक-एक विधायकों को शामिल किया जाएगा। सामंत ने कहा किवर्ली में गणपतराव सहीत अन्य तीन मार्गो को चौड़ीकरण करने का निर्णय लिया गया है। इस चौड़ीकरण होने पर मार्ग की 22 इमारतों में 786 घर और दुकान मालिक प्रभावित होंगे। इन सभी प्रभावित लोगो का पहले पुनर्वसन किया जाएगा उसके बाद सड़को के चौड़ीकरण का काम शूरू किया जाएगा। इस चर्चा में विधायक सचिन अहीर, सहित अन्य सदस्यों ने हिस्सा लिया।

मुंबई के टाटा अस्पताल में धांधली के आरोप में 11 कर्मी गिरफ्तार...

मुंबई : कैंसर रोगियों को कमीशन के लिए निजी प्रयोगशालाओं में रेफर करने के आरोप में टाटा मेमोरियल अस्पताल के कुछ कर्मचारियों की धांधली सामने आई है। इस मामले में अस्पताल के कर्मचारियों सहित 11 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने उन्हें कोर्ट में पेश किया, जहां उन्हें 21 जुलाई तक पुलिस हिरासत में भेजा गया है। परमाणु ऊर्जा विभाग के तहत आने वाले टाटा अस्पताल को देशभर में कैंसर के उपचार और अनुसंधान के लिए जाना जाता है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों में एक सहायक प्रशासनिक अधिकारी, वार्ड बॉय, आया, चपरासी और सफाई कर्मचारी शामिल हैं। उन्होंने बताया कि आरोपियों ने सरकार को लाखों रुपये का नुकसान पहुंचाया। अस्पताल के एक अधिकारी की शिकायत पर 16 जुलाई को एक निजी प्रयोगशाला के कर्मचारी समेत 21 लोगों के खिलाफ भोइवाड़ा थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई गई और 11 लोगों को गिरफ्तार किया गया। मामले में अन्य आरोपियों की तलाश के साथ ही आगे की जांच जारी है।

‘महाराष्ट्र की जनता इतनी मूर्ख नहीं है कि...’, अजित पवार से मुलाकात के बाद उद्धव ठाकरे का बड़ा बयान

मुम्बई : शिवसेना पार्टी के नेता उद्धव ठाकरे ने उपमुख्यमंत्री अजित पवार की तारीफ करते हुए बड़ा बयान दिया है. उद्धव ठाकरे ने कहा है कि क्योंकि उन्होंने अजित पवार के साथ ढाई साल तक काम किया है, इसलिए वे उनके स्वभाव को जानते हैं. विधानमंडल क्षेत्र में पत्रकारों से बातचीत के दौरान उद्धव ठाकरे ने ज्वलंत मुद्दों पर टिप्पणी की है.

उद्धव ठाकरे को अजित पवार से ये उम्मीद

नई शिंदे-फडणवीस-अजित पवार सरकार पर प्रतिक्रिया देते हुए उद्धव ठाकरे ने कहा है, ‘‘सरकार को राज्य के लिए अच्छा काम करना चाहिए. फिलहाल जो भी सच हो उसकी तलाश की जा रही है. उसमें राज्य का मुद्दा है, अभी कहीं बारिश हो रही है तो कहीं बाढ़ का पानी भर रहा है. बारिश नहीं होने से किसान परेशान थे, अब भारी बारिश से परेशान होने

महाराष्ट्र की राजनीति पर दिया ये बयान

मौजूदा राजनीति को लेकर ठाकरे ने कहा, ‘‘महाराष्ट्र की जनता इतनी मूर्ख नहीं है कि सत्ता के खेल को न समझे, यह बिना आंखों वाला अंधा देश नहीं है. यह छत्रपति शिवाजी महाराज का महाराष्ट्र है.’ मीडिया से बात करते हुए उद्धव ठाकरे ने विपक्ष के ‘भारत’ गठबंधन को लेकर भी बयान दिया है. उन्होंने कहा कि देशभक्त और लोकतंत्र प्रेमी पार्टियों का गठबंधन बना है और इस गठबंधन का नाम है भारत.

अजित पवार को लेकर क्या बोले उद्धव ठाकरे?

उद्धव ठाकरे ने बड़ा बयान देते हुए अजित पवार पर भरोसा जताया है. इस दौरान उन्होंने कहा, ‘‘मैंने अजित पवार के साथ ढाई साल तक काम किया है, इसलिए मैं उनके स्वभाव को जानता हूं और मुझे यकीन है कि भले ही दूसरे लोग सत्ता के लिए दौड़ रहे हों, लेकिन वह (अजित पवार) लोगों की मदद करेंगे.’’ क्योंकि, राज्य के खजाने की चाबियां उन्हें दोबारा दे दी गई हैं.’’ अजित पवार के दोबारा वित्त मंत्री बनने की पृष्ठभूमि में उद्धव ठाकरे ने यह बयान दिया है.

कांग्रेस नेता के भतीजे की मुम्बई में चाकू घोंप कर हत्या

मुम्बई : मुम्बई के रहने वाले युवक की भिवंडी में चाकू घोंप कर हत्या कर दी गई। वह कांग्रेस पार्टी के नेता का भतीजा था। रोजीरोटी के लिए वह मुम्बई में फार्मासिस्ट की नौकरी कर रहा था। फूलपुर कोतवाली क्षेत्र के भाटिनपारा गांव निवासी फरहान 24 पुकई साल से वह मुम्बई में रह कर किसी कंपनी में काम करता था। कुछ दिनों पूर्व वह घर पर शादी में शामिल होने आया था और एक सप्ताह पूर्व ही मुम्बई गया था। मुम्बई में वह वफा कांप्लेक्स गैबी नगर भिवंडी में सपरिवार रहता था। परिजनों के अनुसार, मंगलवार की रात 10 बजे वह आफिस से घर पहुंचा। कांप्लेक्स के बाहर दो लोगों के बीच विवाद हो रहा था। वह बीच बचाव करने पहुंच गया। इसी दौरान किसी ने उसे चाकू मार दिया।

डॉक्टरों ने अस्पताल में उसे मृत घोषित कर दिया। वह कांग्रेस नेता शाहिद शादाब का भतीजा था। शव देर रात गांव पहुंचने की उम्मीद है। परिजनों के अनुसार बृहस्पतिवार की सुबह शव को गांव के कब्रिस्तान में सुपुर्दे खाक किया जाएगा।

राज्य में एसटी बसों और कर्मचारियों की दुर्दशा

मुंबई : राज्य की लालपरी कही जाने वाली एसटी बसों एवं शिवनेरी बसों की हो रही दुर्घटना को लेकर बुधवार को विधान परिषद में विपक्ष सहित तमाम सदस्यों ने परिवहन मंत्री को सवालों के घेरे में ला दिया। राज्य में एसटी बसों और उनके कर्मचारियों की दुर्दशा को उजागर करते हुए सदस्यों ने मंत्री दादाजी भुसे से जवाब मांगे। सदस्यों का कहना था कि एसटी बस के कर्मचारी भी आखिरकार इंसान हैं, उनके साथ सरकार ज्यादती क्यों कर रही है।

सदन में कांग्रेस सदस्य भाई जगताप ने शिवशाही बस दुर्घटना का मुद्दा ध्यानाकर्षण प्रस्ताव के तहत उठाया, जिसमें विपक्ष नेता अंबादास दानवे, अनिल परब, शशिकांत शिंदे, प्रवीण दरेकर सहित तमाम लोगों ने हिस्सा लिया।

विपक्ष नेता ने आरोप लगाया कि सरकार सही मायने में एसटी कर्मचारियों को प्रशिक्षण देने में चूक रही है। साथ ही ज्यादातर एसटी बसें पुरानी होकर खराब हो चुकी हैं, जिसकी वजह से राज्य में एसटी बसें दुर्घटना का शिकार हो रही हैं। सदस्य अनिल परब ने भी कहा कि आखिरकार सरकार ने कुछ घातक मोड़ (ब्लैक पॉइंट) का चयन कर कर्मचारियों को ट्रेनिंग देने की योजना लाई थी। इसके बावजूद घटनाएं क्यों हो रही हैं? सरकार एसटी कर्मचारियों के स्वास्थ्य और कल्याण के बारे में वास्तव में क्या करेगी? ऐसा सवाल उठाए जाने पर प्रवीण दरेकर ने कहा कि एसटी कर्मचारियों का मुद्दा महत्वपूर्ण है। निजी वाहन चालकों के भी कुछ दर्द और भावनाओं को भी समझने की जरूरत है। कॉन्ट्रैक्ट ड्राइवर को हम १०-१२ हजार रुपए वेतन देते तो हैं, मगर इससे उनकी मानसिक स्थिति क्या होगी, उनका घर वैष्से चलता है, इसके लिए सरकार क्या कर रही है? एक अन्य सदस्य ने कहा कि सरकार सभी को रियायत देती है तो एसटी कर्मचारियों के बारे में भी मानवता की दृष्टि से विचार करने की जरूरत है। एसटी कर्मचारियों के स्वास्थ्य और कल्याण के संबंध में सरकार वास्तव में क्या करेगी? इन सभी समस्याओं का हल मिलेगा, तभी एसटी कर्मचारियों का मानसिक संतुलन ठीक होगा और दुर्घटनाएं कम होंगी।

पालघर में खाद्य आपूर्ति विभाग खस्ता हाल!

मुंबई :आदिवासी बाहुल्य पालघर में खाद्य आपूर्ति विभाग की हालत खस्ता हाल है। ‘ईडी’ सरकार जिले के नागरिकों को राशन तक नहीं दे पा रही है। जिले का खाद्य आपूर्ति विभाग बगैर उच्च अधिकारियों और कर्मचारियों के चल रहा है। विभाग में सभी महत्वपूर्ण पद रिक्त पड़े हैं। नतीजतन विभाग के कामों पर असर पड़ने लगा है, लेकिन शासन और प्रशासन का इस ओर कोई ध्यान नहीं है। जिले में आपूर्ति विभाग में पदाधिकारियों के पद काफी दिनों से रिक्त हैं। इस कारण जिले के अंदर गरीबों के लिए सरकारी स्तर पर पीडीएस दुकानों के माध्यम से संचालित सस्ते दर पर अनाज उपलब्ध कराने की योजना का सही तरीके से मॉनिटरिंग अनुश्रवण का कार्य नहीं हो रहा है। साथ ही पदाधिकारियों की कमी का असर विभाग की ओर से संचालित अन्य कार्यक्रमों के अलावा नए राशन कार्ड बनवाने के लिए लोगों को ६-६ महीने का लंबा इंतजार करना पड़ रहा है।

बता दें कि विभाग की ओर से संचालित पीडीएस अंतर्गत गरीबों को राशन दुकान के तहत प्रतिमाह निर्धारित मात्रा में अनाज की उपलब्धता सुनिश्चित कराने की जिम्मेदारी विभाग के जिला स्तर के आपूर्ति पदाधिकारी के अलावा प्रखंड स्तर पर वहां पदस्थापित आपूर्ति पदाधिकारी निरीक्षक को सौंपी गई है।

इसके अलावा एसएफसी के माध्यम से राशन दुकानों के लिए अनाज के उठाव को लेकर सभी प्रखंडों के गोदामों में अधिकारियों को पदस्थापित किया गया है। मगर आलम यह है कि वर्तमान में विभाग में सभी आठ तालुकाओं में सप्लाई अधिकारियों के पद खाली पड़े हैं। नायब तहसीलदार को इसका प्रभार देकर कार्य कराया जा रहा है।

विभाग के अधिकारियों के न होने के कारण संबंधित क्षेत्र के लोगों के कार्य ठप हैं। समय पर कार्य नहीं हो पा रहे हैं। जांच-पड़ताल, राशन के वितरण, तौल व अन्य कार्यों पर कार्यालय में उच्च अधिकारियों के नहीं होने से असर पड़ना स्वाभाविक है। विभाग के छोटे कर्मचारी रोजाना आते हैं, लेकिन अधिकारियों के न होने के कारण ये भी हाथ पर हाथ धरे बैठे रहते हैं। एक तरफ तो सरकार लोगों को उचित सेवा की बात करती है, वहीं दूसरी तरफ लोगों से जुड़े इस विभाग में अधिकारियों व कर्मचारियों के न होने के कारण लोगों को समस्याओं से जूझना पड़ रहा है। अधिकारियों और कर्मचारियों के कुछ ही महीनों में ट्रांसफर से भी समस्या और गंभीर हो गई है।

कर्ज लेने की फिराक में मनपा

ठाणे : आर्थिक स्थिति खराब होने से मनपा को ५० फीसदी यानी २०० करोड़ रुपए खर्च वहन करना मुश्किल हो गया है। मनपा २०० करोड़ रुपए लोन लेने की सोच रही है। बता दें कि वर्ष २००७ में ठाणे मनपा ने एमएमआरडीए से ३०० करोड़ रुपए कर्ज लिया था, जिसमें से १९५ करोड़ रुपए भुगतान कर दिया गया है, जबकि १०५ करोड़ रुपए कर्ज अभी भी बकाया है। ठाणे मनपा लगातार कर्ज में डूबती जा रही है। मनपा जलापूर्ति योजना को मजबूत करने के लिए २०० करोड़ रुपए का कर्ज लेने की फिराक में हैं। दरअसल, जलापूर्ति योजना को मजबूत करने के लिए कुल ३६७ करोड़ रुपए का खर्च अपेक्षित है। कुल राशि में से राज्य सरकार और केंद्र सरकार २५-२५ प्रतिशत राशि देगी, जबकि शेष ५० प्रतिशत राशि ठाणे मनपा को अदा करनी होगी। यही वजह है कि ठाणे मनपा कर्ज लेने की फिराक में है। इतना ही नहीं ठाणे मनपा पर पहले का भी १०५ करोड़ रुपए का कर्ज है। बता दें कि ठाणेकरों को रोजाना ५८५ मिलियन लीटर पानी की जरूरत होती है। जल आपूर्ति योजना को मजबूत करने का निर्णय ठाणे मनपा ने लिया है। इसके तहत ठाणे मनपा ने पहले चरण में २४४ करोड़ रुपए का टेंडर निकाला है।

इसमें २५-२५ प्रतिशत व्यय राज्य सरकार एवं केंद्र सरकार द्वारा वहन किया जाएगा, जबकि ठाणे मनपा ५० प्रतिशत खर्च वहन करेगी। नई पानी की टंकियों का निर्माण कराया जाएगा। वर्तमान में शहर में ७५ जलकुंभ और १५ पंप हाउस हैं। उनमें से कुछ का नवीनीकरण एक साल पहले ही किया गया है। ये सभी जलकुंभ और पंप हाउस १९८५ और १९८८ के बीच बनाए गए थे। इनमें से कुछ जलस्त्रोतों का पुनः निर्माण किया जाएगा। घोड़बंदर इलाके के लिए १०४ करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे। वर्तकनगर और लोकमान्य नगर पर ५६ करोड़ रुपए खर्च होंगे, जबकि ठाणे शहर, कलवा, वागले पर ८४ करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे। मुख्य पंप तक पहुंचने के लिए १३ किमी लंबा चैनल बिछाने की योजना है। विभिन्न क्षेत्रों में जल वितरण के लिए २० किमी तक पाइपलाइन बिछाई जाएगी। इंदिरानगर, श्रीनगर, गांधीनगर, कोपरी गांव, सुकुरपाड़ा आदि इलाकों में पुरानी पानी टंकियों के स्थान पर नई पानी टंकियां बनाई जाएंगी। इसके लिए करीब ३६७ करोड़ रुपए का खर्च होने का अनुमान है।

तेज बारिश के कारण कहीं गांवों में संपर्क टूटा...

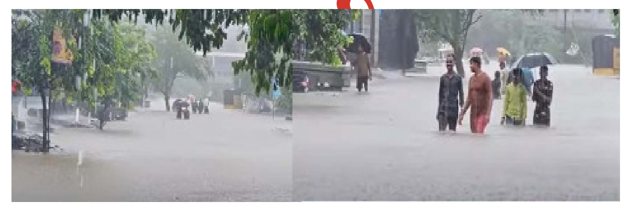

ठाणे : मंगलवार की रात से जारी झमाझम बारिश बुधवार को भी जारी रही। सुबह से हो रही मूसलाधार बारिश ने जिले में जमकर कहर बरपाया। आलम ये रहा कि तेज बारिश के कारण कहीं गांवों में संपर्क टूटा तो कहीं परिवारों को स्थानांतरित किया गया। पिछले २४ घंटों में जिले में ८० मिमी तो अंबरनाथ में सबसे अधिक ११४.१ मिमी वर्षा दर्ज की गई है। सोमवार, मंगलवार और बुधवार की सुबह से हो रही बारिश से जिले की नदियां खतरे के निशान को पार कर गई हैं। इसके चलते नदी किनारे के गांवों में सतर्कता बरतने के निर्देश दिए गए हैं। जिला प्रशासन से प्राप्त जानकारी के अनुसार, उल्हास नदी के जलस्तर में वृद्धि के कारण कम्बा के मोरया नगर के ४० घरों में पानी घुस जाने से ६० परिवारों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया। इसी तरह जलभराव के कारण कल्याण-मुरबाड रोड को यातायात के लिए बंद कर दिया गया, साथ ही अंबरनाथ में सहाबा वृद्धाश्रम के लोगों को और बदलापुर में सोनावले और हेंड्रेपाड़ा के २०० परिवारों को बीएसयूपी भवन में स्थानांतरित कर दिया गया। जिला प्रशासन ने बताया कि सत्कर्म बालकाश्रम से २२ बच्चों को प्रगति अंध विद्यालय बदलापुर भेजा गया है।

ठाणे जिले में बुधवार सुबह ८.३० बजे तक ८०.४ मिमी बारिश दर्ज की गई। इस बीच जिले के भिवंडी, कल्याण, अंबरनाथ, मुरबाड, शाहपुर आदि इलाकों में बारिश के कारण सड़कों पर जलजमाव की घटनाएं हुईं। कहीं पेड़ गिरे तो कहीं जलभराव के कारण यातायात ठप और ट्रैफिक जाम रहा। इसी तरह रायते से दहागांव मार्ग पर उल्हास नदी पर बने पुल पर पानी भर गया तो मुरबाड तालुका के चिखले गांव तक जानेवाली कालू नदी पर बना पुल पानी में डूब गया। ऐसे में जिला प्रशासन की तरफ से किसी भी दुर्घटना से बचने के लिए सभी स्थानों पर आपदा प्रबंधन और राजस्व विभाग के लोगों को तैनात कर दिया गया। साथ ही रेलवे ट्रैक पर पानी भरने से रेल सेवा भी प्रभावित रही।

औरंगाबाद चिड़ियाघर में बाघिन ने शावक को जन्म दिया

औरंगाबाद : महाराष्ट्र के औरंगाबाद शहर के सिद्धार्थ चिड़ियाघर में बाघिन 'समृद्धि' ने एक शावक को जन्म दिया है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि बुधवार सुबह पैदा हुआ शावक फिलहाल पूरी तरह स्वस्थ है और चिड़ियाघर प्रशासन ने नवजात और उसकी मां की 24 घंटे निगरानी के लिए एक टीम नियुक्त कर दी है। अधिकारी ने बताया कि इससे पहले बाघिन ने तीन बार में 13 शावकों को जन्म दिया था। 2016 और 2019 में चार-चार और 2020 में पांच शावकों जन्म दिया था। उन्होंने बताया कि दो शावकों को पुणे के एक चिड़ियाघर में और दो अन्य को अहमदाबाद के एक चिड़ियाघर में भेजा गया है। वर्तमान में सिद्धार्थ चिड़ियाघर में कुल 11 बाघ हैं, जिनमें तीन सफेद बाघ (एक नर और दो मादा)भी है।

पालघर पुलिस ने डकैती की साजिश रच रहे 12 बदमाशो को किया गिरफ्तार

पालघर : पालघर पुलिस ने लूट पाट की साजिश रच रहे 12 बदमाशो को गिरफ्तार किया है। मामले की जानकारी पुलिस ने बुधवार को दी है। जिले के पुलिस अधीक्षक बालासाहब पाटिल ने कहा कि गिरफ्तार किये गये लोग पालघर, ठाणे और मुम्बई के रहने वाले हैं।उन्होंने बताया कि मंगलवार तड़के करीब साढ़े तीन बजे नवली फाटा में पुलिस गश्ती दल ने एक एटीएम सेंटर के पास कुछ लोगों को संदिग्ध तरीके से घूमते देखा।पाटिल ने बताया कि इस दल ने अतिरिक्त पुलिसकर्मियों को बुलाया और फिर संदिग्धों को पकड़ लिया। उन्होंने बताया कि यह गिरोह लूटपाट करने एवं अन्य गतिविधियों की योजना बना रहा था।पुलिस प्रमुख ने बताया कि इन लोगों के पास से एक हंसिया, चाकू , धातु काटने वाले तीन उपकरण, एक अन्य प्रकार का कटर, नायलॉन की रस्सी, एक पैकेट मिर्च पाउडर तथा दो गाड़ियां जब्त की गयीं, जो कुल 8,56,600 रुपये मूल्य के हैं। इन लोगों के खिलाफ भारतीय दंड संहिता और हथियार कानून की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है।

महाराष्ट्र में मूसलाधार बारिश का कहर, पालघर में कार बहने से शख्स की मौत

महाराष्ट्र : महाराष्ट्र में बीते दो दिनों से बारिश का कहर बरपाया हुआ है। राज्य के विभिन्न हिस्सों में भारी बारिश हुई है। ऐसे में अब इस बारिश से कुछ जगहों पर जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। वहीं अब के कहर को लेकर पालघर जिले से एक दिल दहला देने वाली खबर सामने आई है। दरअसल इस जिले में भयावह स्थिति उत्पन्न हो गई है और कांकराडी नदी में बाढ़ आ गई है, जिससे दहानू थाना क्षेत्र में बाढ़ की स्थिति पैदा हो गई है। इसमें एक शख्स की मौत हो गई।

पानी के बहाव में एक व्यक्ति की मौत

आपको बता दें की अब भी पालघर जिले में भारी बारिश जारी है। सड़कों ने नदियों का रूप ले लिया है। जिसका असर यातायात पर पड़ा है। ऐसे में कई क्षेत्रों में जनजीवन अस्त-व्यस्त होने से नागरिकों को परेशानी हो रही है। कंकरवाडी नदी में बाढ़ आने से दहानू थाना क्षेत्र में बाढ़ की स्थिति उत्पन्न हो गई है। ऐसे में अब चिनचानी वानगांव रोड पर एक चौंकाने वाली घटना घटी है। दरअसल यहां ड्राइवर को पानी के बहाव का अंदाजा नहीं लगा इस वजह से कार बह गई। इस घटना में स्थानीय लोग दोनों को बचाने में कामयाब रहे हैं। एक की मौत होने की जानकारी सामने आयी है।

अगले 5 दिन महाराष्ट्र में भारी बारिश

जैसा कि हम देख रहे है पिछले कुछ दिनों से देश सहित महाराष्ट्र में मानसून शुरू हो गया है। इस भारी बारिश के कारण कई लोगों का जीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। कुछ जगहों पर नागरिकों को भारी बारिश का सामना करना पड़ रहा है। इस बीच मौसम विभाग की ओर से दिए गए पूवार्नुमान के मुताबिक अगले चार से पांच दिनों तक राज्य में भारी बारिश की आशंका है।

मौसम विभाग ने दी चेतावनी

इस बीच, मौसम विभाग ने अगले चार दिनों तक बारिश की भविष्यवाणी करते हुए नागरिकों को सतर्क रहने और सावधानी बरतने की सलाह दी है। साथ ही मौसम विभाग की ओर से बारिश के कारण ट्रैफिक जाम, सड़कों पर पानी, पहाड़ी इलाकों में भूस्खलन का खतरा, नदियों में बाढ़ की चेतावनी दी गई है।

फजीवाड़ा कर फ्लैट लेने वालों पर होगी कार्रवाई...

बीएसयूपी योजना में हुई गड़बड़ी की जांच करेगा ईओडब्लू

मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने की विधानसभा में घोषणा

मुंबई : मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने विधानसभा में कहा कि मीरा- भायंदर स्थित जनता नगर झोपड़पट्टी के निवासियों को केंद्र सरकार की जवाहरलाल नेहरू राष्ट्रीय शहरी उत्थान मिशन योजना के तहत मुफ्त में फ्लैट दिए गए थे। इस योजना में कुछ लाभार्थियों के फर्जी दस्तावेजों के आधार पर फ्लैट लेने की जानकारी सामने आई है। इन फ्लैटों को जब्त किया जाएगा और इस प्रकरण की जांच आर्थिक अपराध शाखा से कराई जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार की भूमिका बाकी बचे 2 हजार झोपड़ाधारकों को न्याय देने की है। विधानसभा सदस्य प्रताप सरनाईक ने इस मामले में ध्यानाकर्षण सूचना पेश की थी। मुख्यमंत्री शिंदे ने कहा कि बीएसयूपी के तहत मीरा-भायंदर महानगरपालिका की तरफ से जनता नगर में झोपड़पट्टीवासियों को मूलभूत सुविधाओं सहित फ्लैट बनाने की कार्रवाई की गई थी। हालांकि कई लोगों के फर्जी कागजात के आधार पर फ्लैट हासिल करने की बात सामने आई है। इसकी जांच आर्थिक अपराध शाखा की तरफ से की जाएगी और संबंधित लोगों पर कार्रवाई की जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि बाकी बचे झोपड़ाधारकों को फ्लैट देने के लिए क्लस्टर या पीपीपी मॉडल में से कोई एक के तहत परियोजना को पूरा किया जाएगा। इस मामले में राजस्व विभाग से अनापत्ति प्रमाण पत्र प्राप्त होने के तुरंत बाद यह कार्रवाई की जाएगी।

मनपा स्ट्रीट फर्नीचर का ठेका रद्द

मुंबई महानगरपालिका की स्ट्रीट फर्नीचर खरीद के लिए 263 करोड़ रुपए की टेंडर प्रक्रिया में गड़बड़ी की शिकायत पर संज्ञान लेते हुए सरकार ने इसे रद्द कर दिया गया है। भाजपा प्रदेश कोषाध्यक्ष मिहीर कोटेचा ने इसके लिए मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस का अभिनंदन किया है। वहीं स्ट्रीट फर्नीचर घोटाले मामले को उठाने वाले युवा सेना प्रमुख आदित्य ठाकरे ने कहा कि स्ट्रीट फर्नीचर का ठेका रद्द कर दिया गया है। हालांकि मुंबई महापालिका की तरफ से इस बारे में कोई जवाब नहीं आया है। मनपा को इस बारे में जवाब देना चाहिए। उन्होंने कहा कि मनपा स्ट्रीट फर्नीचर घोटाले की जांच को लेकर हमने राज्यपाल को पत्र लिखा था। इस संबंध में आज भी पत्र लिखा गया है। यह स्पष्ट होना चाहिए कि यह ठेका रद्द किया गया है या इसे मनपा ने होल्ड किया है।

मुंबई अपराध शाखा कर रही है सोमैया के कथित वायरल वीडियो की जांच, चैनल से मांगी वीडियो क्लिप

मुंबई : मुंबई पुलिस की अपराध शाखा ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेता किरीट सोमैया के एक कथित वायरल वीडियो की जांच शुरू कर दी है, वीडियो को एक मराठी समाचार चैनल ने भी प्रसारित किया है। अपराध शाखा के सूत्रों ने कहा कि शाखा 10 तकनीकी और साइबर विशेषज्ञों की मदद से वीडियो की प्रामाणिकता की जांच करेगी। सूत्रों ने कहा कि अपराध शाखा उस मराठी समाचार चैनल से पूरी वीडियो क्लिप के लिए अनुरोध करेगी जिसने इसे मूल रूप से प्रसारित किया था और वीडियो की प्रामाणिकता को सत्यापित करने के लिए चैनल को एक पत्र भेजा जाएगा। उपमुख्यमंत्री देवेन्द्र फड़नवीस ने मामले की जांच के आदेश दिए हैं, जिसके बाद पुलिस को जांच शुरू करनी पड़ी। श्री सोमैया ने कथित वीडियो वायरल होने के बाद खुद ट्वीट कर श्री फड़नवीस से मामले की जांच करने का आग्रह किया। सभी राजनीतिक दलों ने घटना की जांच की मांग की है।

दुकान से 32 लाख के मोबाइल चोरी करने वाला महाराष्ट्र से गिरफ्तार, नेपाल में खपाने की थी तैयारी...

महाराष्ट्र : जधानी रायपुर में मोबाइल दुकान से लाखों रुपये के मोबाइल चोरी करने वालो आरोपित को पुलिस ने महाराष्ट्र से गिरफ्तार किया है। आरोपित मोबाइल दुकान में 32 लाख रुपये की नए मोबाइल सेट पार किए थे। आरोपित चोरी करने के बाद यहां से फरार हो गए था।

सीसीटीवी फुटेज के आधार पर पुलिस ने आरोपित की पहचान की और उसे गिरफ्तार किया। उसके पास से चोरी किए गए मोबाइल फोन जब्त किए गए हैं। आरोपित की ससुराल उप्र भी पुलिस की टीम ने छापा मारा था। जहां से मोबाइल जब्त करने की खबर आ रही है। रायपुर पुलिस इस पूरे मामले का राजफाश कर सकती है।

चोरी के मोबाइल नेपाल में खपाने की तैयारी

जानकारी के अनुसार चोरी के मोबाइल फोन को नेपाल में खपाए जाते हैं। वहां सस्ते दाम में फोन बिकते हैं। लाक को तोड़कर उसे फिर नए दाम में बेचा जाता है। आरोपित भी ग्राहकों की तलाश कर चोरी के मोबाइल बेचने की तैयारी में लगा था। उससे पहले पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया।

यह था पूरा मामला

छह जुलाई को टिकरापारा थाना क्षेत्र के मां लक्ष्मी टेलीकाम में तड़के सेंधमारी कर चोर ने विभिन्न कंपनियों के 162 नग छोटे बड़े मोबाइल सेट चोरी किए थे। दुकान मालिक आनंद चेनानी ने इनकी कीमत 32 लाख रुपये बताई थी। थाने से 200 मीटर की दूरी पर वारदात को अंजाम दिया था। चोर अकेले ही पूरी वारदात को अंजाम दिया था। चोर दुकान की दीवार फाल सीलिंग तोड़कर दुकान के भीतर घुसा था। फाल सीलिंग में एक छोटा सा होल कर चोर दुकान में प्रवेश किया। इसके बाद सीसीटीवी के डीवीआर समेत अन्य कमरे के वायर काटकर चोरी की वारदात को अंजाम दिया।

मुंबई के कल्याण स्टेशन के पास उफनते नाले में फंसे यात्री का 4 महीने का बच्चा बह गया

ठाणे : महाराष्ट्र में बुधवार को मुंबई के समीप ठाकुर्ली और कल्याण रेलवे स्टेशनों के बीच रेलमार्ग पर चल रही एक महिला के हाथों से चार महीने का शिशु फिसलकर नाले में गिर गया। भारी वर्षा के कारण उपनगरीय ट्रेन सेवाएं बाधित हुई हैं। एक वीडियो सामने आया है जिसमें दिख रहा है कि एक उपनगरीय ट्रेन एक छोटे पुल पर ठहरती है तथा एक पुरुष के साथ चल रही एक महिला नीचे उफनते नाले की ओर इशारा करते हुए मदद के लिए चिल्ला रही है। ट्रेन में यात्री यह कहते हुए सुने जा सकते हैं कि महिला का बच्चा नाले में गिर गया और पानी के साथ बह गया। एक अग्निशमन अधिकारी ने कहा कि उनके विभाग के पास ठाणे जिले में रेलमार्ग के साथ

लगते नाले में एक बच्चे के गिर जाने का कॉल आया है और वह (उनका विभाग) बच्चे का पता लगाने के लिए तलाश अभियान चला रहा है।

रेलवे के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि ठाणे जिले में कल्याण और कसारा खंड के बीच ट्रेन सेवाएं इलाके में भारी वर्षा के बाद कल्याण स्टेशन पर ट्रैक परिवर्तन विफलता के कारण रोक दी गयीं। चूंकि ट्रैक पर ट्रेन रुक गयीं ऐसे में यात्री निकटतम रेलवे स्टेशनों पर पहुंचने के लिए रेल मार्ग पर चलने लगे। एक नगर निकाय अधिकारी ने बताया कि इस बीच ठाणे के भिवंडी में 14 साल की एक लड़की नाले में डूब गयी जबकि उसके 12 वर्षीय भाई को लोगों ने बचा लिया। अधिकारी ने बताया कि दोपहर में जब दोनों भाई-बहन स्कूल से घर आ रहे थे, तब यह हादसा हुआ। बाद में लड़की का शव नाले से निकाला गया।

भोपाल निगम परिषद की मीटिंग कल; ठोस अपशिष्ठ का चार्ज बढ़ाने का प्रस्ताव

भोपाल। भोपाल नगर निगम परिषद की मीटिंग कल होगी। इसमें एक सड़क और एक बस स्टॉप का नामकरण होगा। वहीं, अयोध्या नगर स्थित सरयू सरोवर पार्क को पीपीपी मोड पर विकसित करने का प्रस्ताव भी रखा जाएगा। ठोस अपशिष्ठ प्रबंधन के निपटान के लिए उपभोक्ता प्रभार की दरें बढ़ सकती है। एमआईसी (मेयर इन कौंसिल) की अनुशंसा के बाद इसका प्रस्ताव भी मीटिंग में आएगा। कांग्रेस एवं निर्दलीय पार्षदों ने 15 प्रश्न भी लगाए हैं। इनमें वार्ड-34 के पार्षद पप्पू विलास राव घाड़गे ने सवाल पूछा कि महान राजा भोज एवं रानी कमलापति की प्रतिमा का रंग काला क्यों है? यह किस अधिकारी या राजनेता की कल्पना है। इधर, परिषद की मीटिंग से पहले बुधवार को बीजेपी पार्षद दल मीटिंग रखी गई है। जिसमें विपक्ष के सवालों का रणनीति के तहत जवाब देने का प्लान बनेगा। हालांकि, इसमें कई मुद्दों पर बीजेपी के कुछ पार्षद ही विरोध जता सकते हैं।

ये मुद्दे आएंगे मीटिंग में ट्ठ अयोध्या नगर स्थित सरयू सरोवर पार्क को पीपीपी मोड पर विकसित किए जाने संबंधित प्रस्ताव रखेंगे। आनंद नगर तिराहे से पटेल नगर रायसेन रोड, इस्कान मंदिर तक के मार्ग का नाम %स्वामी प्रभुपाद मार्ग% किए जाने एवं पटेल नगर बस स्टॉप का नाम %इस्कान मंदिर% किए जाने के प्रस्ताव भी आएंगे। ठोस अपशिष्ठ प्रबंधन के निपटान के लिए उपभोक्ता प्रभार की दरों में वृद्धि किए जाने का प्रस्ताव भी एमआईसी की अनुशंसा के बाद परिषद में रखा जाएगा।

इसलिए बढ़ेंगी दरें : शहरी सीमा में खुली जमीन, मैदान का रखरखाव एवं साफ-सफाई की व्यवस्था नगर निगम करता है। निगम को हस्तांतरित एवं निगम की स्वामित्व की सभी कॉलोनी एवं खुली भूमि, मैदानों को वैवाहिक, सामाजिक, सांस्कृतिक, धार्मिक, राजनीतिक एवं निजी कार्यों के लिए दिया जाता है। इसके लिए प्रतिदिवस के मान से निगम ने किराया भी निर्धारित कर रखा है। इसकी राशि में निगम बढ़ोतरी कर रहा है। 25 हजार वर्गफीट तक क्षेत्रफल वाले मैदान या खुल भूमि के लिए एक हजार रुपए प्रतिदिवस के मान से ठोस अपशिष्ठ प्रबंधन शुल्क नियत होगा। 25 हजार वर्गफीट से एक एकड़ तक क्षेत्रफल वाले मैदान या खुली भूमि के लिए ढाई हजार रुपए प्रतिदिवस के मान से ठोस अपशिष्ठ प्रबंधन शुल्क नियत किया जाना प्रस्तावित है। एक एकड़ से अधिक क्षेत्रफल वाले मैदान या खुली भूमि के लिए पांच हजार रुपए प्रतदिवस राशि नियत करने का प्रस्ताव है।

कांग्रेस पार्षदों के 15 सवाल, इन्हीं के जरिए घेरने की रणनीति : परिषद की मीटिंग की शुरुआत पार्षदों के सवालों से होगी। कांग्रेस पार्षदों के 15 सवाल आएंगे। जिनके जरिए शहर सरकार को घेरने की रणनीति है।

पार्षदों के ये सवाल –

सिनेमाघरों से प्रति शो टैक्स की राशि 200 रुपए लिए जाने के लिए क्या एमआईसी से अनुमति ली गई है?

लालघाटी, बैरागढ़ क्षेत्र में स्थित शादी हॉल और गार्डन के निर्माण और क्षेत्रफल की संख्या क्या है?

सभी वार्डों में महापौर और मुख्यालय निधि से कौन से काम करवाए गए हैं?

दक्षिण-पश्चिम और नरेला विधानसभा क्षेत्र में भोपाल कायाकल्प अभियान के तहत किन-किन वार्डों में कितनी राशि आवंटित की गई है?

गांधी भवन के सामने स्मार्ट रोड एवं भोपाल शहर के विभिन्न स्थानों पर शराब की दुकानें खोलने की अनुमति किसकी अनुशंसा और किन शर्तों पर दी गई है?

राजा भोज एवं रानी कमलापति की प्रतिमा का रंग काला क्यों है?

एमपी नगर एवं शहर के विभिन्न स्थानों पर पार्किंग शुल्क एवं तहबाजारी शुल्क के अवैध रूप से वसूली किए जाने संबंधित भी प्रश्न पूछा गया है।

ग्राउंड रिपोर्टमहाकाल लोक बनने के बाद होटल 35% तक महंगे

होटल में तब्दील हो रहे मंदिर के आसपास के घर; घंटे के हिसाब से भी मिल रहे कमरे

उज्जैन। महाकाल लोक बनने के बाद उज्जैन में होटलों का टैरिफ 15 से 35 फीसदी तक बढ़ गया है। महाकाल मंदिर के आसपास होम स्टे भी बढ़ गया है। अक्टूबर 2022 में महाकाल लोक के उद्घाटन के बाद शहर में कई बदलाव दिखे। यह बदलाव श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या के कारण आया। सबसे अधिक परिवर्तन महाकाल मंदिर के आसपास के होटल व्यवसाय में आया है। महाकाल कॉरिडोर के आसपास के 3 से 4 किलोमीटर के दायरे में हर पांचवें घर में होटल, गेस्ट हाउस और होम स्टे की सुविधा मिलने लगी है। पहले मंदिर के आसपास आसानी से होटल मिल जाते थे, अब बाबा के भक्तों को खासी मशक्कत करनी पड़ रही है। महाकाल कॉरिडोर बनने से पहले यहां रोजाना करीब 40 से 50 हजार श्रद्धालु पहुंचते थे। अब यह आंकड़ा बढ़ाकर करीब एक लाख पहुंच गया है। शनिवार से लेकर सोमवार तक श्रद्धालुओं की संख्या डेढ़ लाख तक पहुंच रही है। होटल कारोबार में उछाल की यह सबसे बड़ी वजह है। जो कमरा पहले 1500 रुपए में मिलता था, वो अब 2000 रुपए में बमुश्किल मिल रहा है। कुछ होटल मालिक तो घंटे के हिसाब से भी होटल देने लगे हैं। होटल संचालकों का तर्क है कि इससे अधिक से अधिक श्रद्धालुओं के लिए कमरा उपलब्ध हो पाएगा। होटल के अलावा, फूल, रेस्त्रां और टैक्सी की भी आमदनी पहले के मुकाबले बढ़ गई है। उज्जैन के सबसे बड़े होटल अंजू श्री के मालिक और कॉलोनी डेवलपर सुरेश मोड़ ने बताया कि महाकाल लोक से उज्जैन शहर को होटल व्यवसाय के साथ ही अन्य सेक्टर को भी फायदा मिला है। महाकाल लोक के आसपास 25 कमरे या इससे कम कमरे वाले होटल के टैरिफ में दोगुना बढ़ गए हैं। बड़े होटलों के रेट 15 से 35 प्रतिशत बढ़ा दिए गए हैं। फिलहाल महाकाल मंदिर प्रशासन के पास श्रद्धालुओं की संख्या गिनती का कोई सटीक सिस्टम नहीं है, इसलिए मंदिर में शीघ्र दर्शन शुल्क और दान के आंकड़ों के आधार पर महाकाल लोक के लोकार्पण के बाद श्रद्धालुओं की संख्या दो गुना से ज्यादा होने की बात कही जा रही है।

दलित महिला सरपंच की पिटाई पर कांग्रेस हमलावर

शिवपुरी। शिवपुरी में दलित महिला सरपंच से मारपीट को लेकर कांग्रेस हमलावर हो गई है। बुधवार शाम को कांग्रेस पीड़ित महिला के साथ प्रेस कान्फ्रेंस करेगी। कांग्रेस का आरोप है कि प्रदेश में लगातार दलितों पर अत्याचार हो रहे हैं और सरकार आंखें बंद कर बैठी है। मामला जिले के कोलारस जनपद पंचायत की ग्राम पंचायत पहाड़ी का है। यहां 16 जुलाई को सरपंच गीता जाटव को गांव का रहने वाला धर्मवीर यादव और उसके दो साथियों ने घेरकर जातिसूचक गालियां दी और कहा कि तुझे हमारे हिसाब से सरपंची करनी पड़ेगी। जब गीता ने इनकार कर दिया तो आरोपियों ने लाठी से पीटवना शुरू कर दिया। गीता को जमीन पर पटक-पटककर जुते-चप्पलों से मारा। गीता का आरोप है कि धर्मवीर साल भर से प्रताड़ित कर रहा है। एसपी रघुवंश सिंह भदौरिया ने बताया कि तीनों आरोपियों के खिलाफ स्ष्ट-स्त्ञ एक्ट के तहत मामला दर्ज किया है। सभी मंगलवार रात गिरफ्तार कर लिया गया है। आरोपियों में धर्मवीर यादव का एक सगा भाई और एक चचेरा भाई है।

जरासंध को जोड़ने वाली जरा की कहानी

जिरोती बनाकर निमाड़ में पूजती हैं महिलाएं, देवी और राक्षसी दोनों है जरा

महेश्वर। दीवारों पर रंग-बिरंगे चित्र। इन चित्रों में बसा लोक जीवन। इन दिनों आप निमाड़ के घरों पर दस्तक देने पहुंचते हैं तो दरवाजे के दोनों ओर बने ये चित्र बरबस ही आपका ध्यान खींचते हैं। इनमें पालने में बच्चे को झुलाती, कुएं से पानी निकालती, मथनी चलाती महिलाएं, खेती करते और रथ पर सवार पुरुष दिखाई देते हैं। इनमें चांद है, सूरज है, बैल है और यहां तक कि चूहे और सांप भी हैं। कुल मिलाकर एक पूरा लोक जीवन जो इन चित्रों से बाहर आकर आपको अपने साथ उस दुनिया में ले जाता हैं, जिसमें लोक रंग उत्सवी माहौल घोल देते हैं। इन चित्रों को जिरोती कहते हैं और इस उत्सव को हर साल निमाड़ के लोग श्रावण अमावस्या पर मनाते हैं। इस साल अधिकमास के कारण कई लोग अगले महीने की अमावस्या पर भी मनाएंगे। यानी एक माह तक इस बार जिरोती घर के बाहर बनी रहेगी। मान्यता है कि जिरोती की कहानी जरासंध के दो टुकड़ों को जोड़कर एक बनाने वाली जरा से जुड़ती है। जरा को कई लोग राक्षसी मानती हैं तो इसे निमाड़ में देवी मानने वालों की भी कमी नहीं है। खरगोन जिला मुख्यालय से करीब 55 किमी दूर बसा है निमाड़ का पवित्र पर्यटन नगर महेश्वर।

यहां निमाड़ की सांस्कृतिक पहचान से नई पीढ़ी को रूबरू कराने और उन्हें सिखाने में जुटी हैं ज्योति डोंगरे। वो दीवारों पर न सिर्फ सुंदर जिरोती बनाती हैं, बल्कि बच्चों को भी सिखाती हैं। ज्योति को लोक संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए संभाग स्तर पर कई पुरस्कार मिल चुके हैं। जिरोती को लेकर उन्होंने बताया कि श्रावण कृष्ण अमावस्या को निमाड़ में जिरोती अमावस्या भी कहा जाता है, क्योंकि निमाड़ के करीब सभी घरों की दहलीज के पास जिरोती बनाई जाती है। मान्यता है कि इसे बनाने से परिवार में सुख-समृद्धि आती है और जिरोती देवी बच्चों की रक्षा करती हैं। ये पंक्तियां निमाड़ में जिरोती के दिनों में बड़े-बुजुर्ग कहते हुए देखे जाते हैं। इसका मतलब है कि जिरोती सारे त्योहार लेकर आ गया। ऐसा होता भी है। जिरोती के पांच दिन बाद नागपंचमी, फिर राखी और इसके बाद दशहरा, दीपावली एक के बाद एक त्योहारों की श्रृंखला शुरू हो जाती है।

इंदौर होलकर साइंस कॉलेज में हादसा

इंदौर। इंदौर के होलकर साइंस कॉलेज की निर्माणाधीन बिल्डिंग से गिरने से इंजीनियर की मौत हो गई। कॉलेज की वर्षो पुरानी लाइब्रेरी के शेड को बदलने का काम कॉलेज प्रबंधन ने ठेके पर दे रखा था। मनीष झरने ने यह काम ठेके पर लिया था। वह खुद इंजीनियर भी था। घटना मंगलवार शाम की है। इंजीनियर तीसरी मंजिल पर खड़ा था। अचानक उसका संतुलन बिगड़ा और वह नीचे गिर गया। काम कर रहे मजदूरों ने देखा तो कॉलेज स्टाफ को सूचना दी। मनीष को अस्पताल ले जाया गया। लेकिन उसकी मौत हो गई। सूचना के बाद मौके पर पहुंचे प्राचार्य सुरेश सिलावट ने बताया कि तीसरी मंजिल से गिरने के कारण उसके सिर में गंभीर चोट आई थी। मनीष जिस निर्माणाधीन बिल्डिंग से गिरे, वहां सुरक्षा के इंतजाम भी नहीं थे। गिरने वाले इंजीनियर ने सुरक्षा हेलमेट भी नहीं पहनी थी। न ही तीसरी मंजिल पर सुरक्षा जाली लगी थी। मामले में भंवरकुआं पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। बुधवार के दिन मृतक के घर नर्मदा नगर में भारी भीड़ जमा थी। परिवार के लोगों का रो-रोकर बुरा हाल था। मौके पर प्रचार्य सुरेश सिलावट भी पहुंचे थे। अंतिम संस्कार के लिए रीजनल पार्क ले जाया गया है।

मंडला में छात्राओं की पानी की बोतल में पेशाब भरा!

एक छात्रा बोली- मैंने पानी समझकर पी लिया; परिजन से शिकायत के बाद हंगामा

मंडला। मध्यप्रदेश में सीधी के बाद एक और पेशाब कांड सामने आया है। मंडला में स्कूली छात्राओं की पानी की बॉटल में पेशाब भर दी गई। छात्राओं ने जब पानी पीने के लिए बॉटल उठाई तो उसमें पेशाब जैसी बदबू आई। इसके बाद उन्होंने अपने शिक्षकों से शिकायत की। उन्होंने स्कूल के ही पांच छात्रों पर आरोप लगाया है। छुट्?टी के बाद घर पहुंची छात्राओं ने अपने परिजन को भी जानकारी दी। मामला जिले के बिछिया के लफरा गांव का है। शिकायत करने वाली तीनों छात्राएं हायर सेकेंडरी स्कूल में 11वीं आर्ट्स संकाय में पढ़ती हैं। ये तीनों सोमवार दोपहर को करीब ढाई बजे इंग्लिश का पीरियड अटेंड करने के लिए साइंस की क्लास में गई थीं। उस दौरान इन्होंने अपना बैग और पानी की बॉटल अपनी क्लास में ही छोड़ दी थी। छात्राएं जब इंग्लिश की क्लास अटेंड कर अपनी क्लास में वापस आई तो एक छात्रा ने बॉटल से पानी पीया। उसे अजीब सा महसूस हुआ। उसके बाद सभी ने बॉटल को सूंघकर देखा तो उसमें से पेशाब जैसी बदबू आ रही थी। एक छात्रा ने अपनी बॉटल का पानी फेंक दिया। जबकि दूसरी छात्रा ने बॉटल का पानी नहीं फेंका। छात्राओं ने स्कूल के एक शिक्षक को शिकायत की। उन्होंने बताया कि कुछ छात्रों को क्लास में देखा था। शिकायत के बाद शिक्षक ने आरोपी छात्र और पीड़ित छात्राओं से अगले दिन अपने पालकों को साथ लेकर आने की बात कही। छात्राओं ने घर जाकर अपने परिजन से घटना का जिक्र किया। वे सभी मंगलवार को स्कूल पहुंचे। उनके साथ ग्रामीण भी स्कूल पहुंच गए। इस घटना से सभी आक्रोशित थे। हंगामा भी हुआ। इसके बाद मामले ने तूल पकड़ लिया। छात्राओं ने परिजन को पूरी घटना बताई तो वे नाराज हो गए। अगले दिन मंगलवार को स्कूल पहुंचे और हंगाम कर दिया। इसके बाद तहसीलदार समेत कई अफसर मौके पर पहुंचे। छात्राओं ने परिजन को पूरी घटना बताई तो वे नाराज हो गए। अगले दिन मंगलवार को स्कूल पहुंचे और हंगाम कर दिया। इसके बाद तहसीलदार समेत कई अफसर मौके पर पहुंचे। मामले को तूल पकड़ता देख स्कूल की ओर से वरिष्ठ अधिकारियों को सूचना दी गई। इसके बाद सहायक आयुक्त जनजाति कार्य विभाग विजय तेकाम और अंजनिया नायब तहसीलदार साक्षी शुक्ला सहित अन्य अधिकारी मौके पर पहुंच गए। उन्होंने स्कूल के शिक्षकों, छात्राओं और उनके परिजन सहित ग्रामीणों से बात की। साथ ही पुलिस थाना बम्हनी बंजर में शिकायत की गई है।

मध्यप्रदेश में पहली बार जलाया 50 करोड़ का ड्रग्स

62 हजार क्विंटल मादक पदार्थ की सुरक्षा के लिए 200 पुलिसकर्मी तैनात रहे

नीमच। अवैध शराब और हथियारों पर रोलर चलते तो खूब देखे होंगे। अवैध ड्रग को नष्ट करते देखा है क्या? नहीं देखा तो चलो हम दिखाते हैं। हम आपको मध्यप्रदेश के नीमच जिले की एक सीमेंट फैक्ट्री में ले चलते हैं, जहां 70 वाहनों से 62 हजार क्विंटल से अधिक डोडाचूरा, अफीम, गांजा स्मैक, ब्राउन शुगर, हेरोइन, चरस, कोडीन, एमडीएमए और अल्फाझोलम लाया गया। इन सबका बाजार मूल्य 50 करोड़ रुपए से अधिक होने का अनुमान है। सुरक्षा में 200 पुलिसकर्मी तैनात रहे। आईजी, डीआईजी और एसपी रैंक के अफसर भी सुबह से रात तक डटे रहे। सीमेंट फैक्ट्री में 17 जुलाई को सुबह 11 बजे ड्रग को खाक करने की प्रक्रिया शुरू हुई। यह वह ड्रग्स है जो बीते 15 सालों में प्रदेश के विभिन्न थाना पुलिस ने जब्त कर मालखाने में जमा कराया था। संभवत~ यह मप्र का पहला मामला है जब इतनी भारी मात्रा में अवैध मादक पदार्थ को नष्ट करने की कार्रवाई की गई। पूरी प्रक्रिया को समझने के लिए दैनिक भास्कर की टीम सोमवार को नीमच से जावद के लिए निकली। 17 चद्ब दूर

खोर गांव पहुंचे तो देखा एक सीमेंट फैक्ट्री के बाहर अवैध ड्रग से लोड वाहन खड़े हैं। बड़ी संख्या में पुलिस जवान तैनात हैं। दरअसल, मप्र के नीमच जिले में अफीम की खेती होती है। इसके चलते यहां से बड़ी मात्रा में अवैध डोडाचूरा की सप्लाई होती है। जिसे जांच के दौरान पुलिस जब्त करती है। जब तक इसका मामला कोर्ट में चलता है ये अवैध मादक पदार्थ मालखाने में जमा रहते हैं। इसके बाद इन्हें नीमच लाया जाता है। जहां तय प्रावधानों के तहत नीमच में ही नष्ट किया जाता है। यह पहली बार है जब इतनी बड़ी मात्रा में ड्रग नष्ट किया गया। 17 जुलाई को 575 प्रकरणों में जब्त किए गए 62 हजार क्विंटल से अधिक ड्रग्स नष्ट कर दिया। नीमच की जावद तहसील अंतर्गत आने वाले विक्रम सीमेंट फैक्ट्री के प्लांट में किया गया। जिसके लिए फैक्ट्री में पुलिस द्वारा सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए। 200 से अधिक पुलिस के अधिकारी-कर्मचारी इस पूरे काम में लगे रहे। नष्ट करने के लिए सीमेंट फैक्ट्री इसलिए चुनी जाती है कि एनडीपीएस एक्ट में प्रदूषण मानकों का भी ध्यान रखने का प्रावधान है। फैक्ट्री में पुलिस द्वारा सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए। 200 से अधिक पुलिस के अधिकारी कर्मचारी इस पूरे काम में लगे रहे।

फैक्ट्री में पुलिस द्वारा सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए। 200 से अधिक पुलिस के अधिकारी कर्मचारी इस पूरे काम में लगे रहे। मादक पदार्थों को नष्ट करने के लिए हृष्ठक्क एक्ट के तहत प्रावधान किए गए हैं। भारत सरकार के वर्ष 2022 के गजट नोटिफिकेशन के अनुसार न्यायालय में जिन प्रकरणों का निराकरण हो चुका है। या जिन मादक पदार्थों को नष्ट करना आवश्यक हो। उन्हें नष्ट करने का विधिवत प्रावधान है। इसके लिए डीआईजी रैंक के एक अधिकारी की अध्यक्षता में समिति का गठन किया जाता है। जिसमें 2 एसपी रैंक के अधिकारी सदस्य के रूप में होते हैं। नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो और प्रदूषण बोर्ड के सदस्यों की मौजूदगी में यह प्रक्रिया की जाती है। नष्टीकरण की प्रक्रिया लगभग 15 दिन पूर्व शुरू हो जाती हैं जिसमें अलग-अलग जिलों के थानों से पदार्थ नष्ट करने योग्य मामलों की जानकारियां विधिवत रूप से ली जाती है। जिन्हें भोपाल व दिल्ली वरिष्ठ कार्यालय पर विभागीय तौर पर विधिवत अनुमति के भेजा जाता है। अनुमति मिलने पर नष्टीकरण के लिए वाहनों में भरकर सीमेंट फैक्ट्री लाया जाता है। यहां भट्टी में कोयले के साथ मादक पदार्थ डाल दिया जाता है। यह थोड़ी मात्रा में डालते चले हैं। इस 62 हजार क्विंटल मादक पदार्थ को नष्ट करने के दौरान प्रदूषण न फैले इसका भी ध्यान रखने एक अफसर तैनात रहता है। आमतौर पर 3 महीनों के अंदर यह प्रक्रिया की जाती है। हालांकि, आवश्यकता अनुसार भी नष्ट करने की अनुमति लेकर नष्ट किया जा सकता है। नष्टीकरण की प्रक्रिया में ऐसे मादक पदार्थ जिनसे मार्फिन प्राप्त की जा सकती हैं, उन्हें नीमच स्थित केंद्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो की अलकोलाइट फैक्टरी में जमा किया जाएगा।

ग्वालियर में एलिवेटेड रोड को कैबिनेट की मंजूरी

भोपाल में बनेगा फ्लाईओवर; निवाड़ी में कृषि विभाग के 19 नए पद स्वीकृत

भोपाल। मध्यप्रदेश में 1 हजार 842 करोड़ रुपए से सड़कों का जाल बिछाया जाएगा। मंगलवार को कैबिनेट बैठक में इन्हें मंजूरी दी गई। %लाड़ली बहना योजना% के आवेदन की उम्र 23 से घटाकर 21 साल कर दी गई है। पहले यह 23 साल से 60 साल तक थी। निवाड़ी में कृषि विभाग के 19 नए पद स्वीकृत किए गए हैं। गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा ने कहा, नवगठित जिले निवाड़ी में कृषि विभाग के अंतर्गत दो उप संचालक, परियोजना संचालक जैसे 19 पदों को कैबिनेट ने मंजूरी दी है। ये कार्यालय अभी तक टीकमगढ़ से संचालित हो रहे थे। उन्होंने बताया, 20 जुलाई को स्टूडेंट्स के खातों में लैपटॉप की राशि डाली जाएगी। 23 अगस्त को स्कूटी की राशि बच्चों के खातों में डाली जाएगी। गृहमंत्री ने कहा, मध्यप्रदेश में सड़क क्रांति के फैसले हुए हैं। ग्वालियर में स्वर्णरेखा नदी पर फोरलेन एलिवेटेड रोड कॉरिडोर और फ्लाईओवर बनेगा। यह मध्यप्रदेश में किसी नदी के ऊपर बनने वाला पहला एलिवेटेड रोड होगा। सेंट्रल रोड इंफ्रॉस्ट्रक्चर फंड के तहत महारानी लक्ष्मीबाई के समाधि स्थल से

गिरवाई पुलिस चौकी, एबी रोड (ह्ण-46) तक स्वर्णरेखा नदी पर फोरलेन एलिवेटेड कॉरिडोर, फ्लाईओवर बनेगा। इसकी लागत 926.21 करोड़ है। भोपाल में भोपाल-इंदौर रोड पर संत हिरदाराम नगर (बैरागढ़) में सीवेज पंप हाउस लाऊखेड़ी से नगर निगम विसर्जन घाट तक फ्लाईओवर निर्माण को भी कैबिनेट ने स्वीकृति दी है। इसका निर्माण भी सेंट्रल रोड इंफ्रॉस्ट्रक्चर फंड के तहत होगा। 306.40 करोड़ रुपए से बनेगा। नर्मदापुरम जिले के पिपरिया में खाद्य एवं नागरिक उपभोक्ता संरक्षण विभाग की जमीन बेचने को मंजूरी। 2140 वर्ग मीटर जमीन देवगांव के वार्ड 18 में है। 4 करोड़ 81 लाख 50 हजार रुपए की सहमति कैबिनेट दी है। मप्र पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड इंदौर के लिए दीनदयाल ग्राम ज्योति योजना में आरईसी से मिली लोन की 343.91 करोड़ राशि को पीएनबी से रीफाइनेंसिंग कराने की स्वीकृति। संविदा कर्मचारियों-अधिकारियों के सम्मेन में मुख्यमंत्री ने वेतन, अवकाश, नेशनल पेंशन स्कीम, स्वास्थ बीमा, अनुकंपा नियुक्ति के लिए जो घोषणाएं की थीं, उन्हें मंजूरी दी गई। कर्मचारियों को महंगाई भत्ता 4त्न बढ़ाकर 42त्न करने पर निर्णय हुआ।

पत्नी को जमीन पर पटककर पीटा, पेशाब पिलाई

सीहोर। सीहोर में एक महिला ने आरोप लगाया है कि उसके पति ने उसे जमीन पर पटककर पीटा। उसे घसीटते हुए बाथरूम ले गया और वहां पेशाब पिलाया। पीड़ित सोमवार को महिला थाने पहुंची। उसने पति के खिलाफ शिकायती आवेदन दिया। साथ ही पुलिस को मारपीट का वीडियो भी सौंपा। मामला जिले के श्यामपुर तहसील के एक गांव का है। महिला थाना प्रभारी पूजा राजपूत ने बताया कि पीड़िता के आवेदन के आधार पर स्नढ्ढक्र दर्ज की गई है। आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। महिला ने कहा कि %मैं श्यामपुर तहसील के एक गांव में रहती हूं। मेरी शादी 24 साल पहले सीहोर की अवधपुरी कॉलोनी निवासी एक व्यक्ति से हुई थी। पति का बिल्डिंग मटेरियल सप्लायर का काम है। हमारे 2 बच्चे हैं। 26 जून 2023 की रात 11 बजे मेरे पति ने मना करने के बावजूद मेरे पैर से बिछिया निकाल दी। मैं बार-बार उनसे ऐसा करने से मना करती रही। वे नहीं माने। तभी मेरे बच्चे आ गए। उन्होंने पूछा तो मैंने सिर्फ इतना कहा कि इस आदमी ने मेरी बिछिया निकाल दी। यह बात पति को बहुत बुरी लगी।

आदिवासी ड्रेसअप में घूमी इंदौर पुलिस...

चड्डी-बनियान डकैत गैंग के अड्डे पर मारा छापा

इंदौर। इंदौर में चार दिन पहले आतंक मचाने वाली चड्डी बनियान गैंग तक पहुंचने के लिए पुलिस को दो दिन आदिवासी भेष में रहना पड़ा। रात में डकैत लोगों पर तीरों से हमला करते हैं, इसलिए पुलिस ने सुबह तक इंतजार किया। आखिरकार 16 जुलाई की रात को गैंग का एक सदस्य पाकिया पुत्र करण भूरिया पुलिस के हत्थे चढ़ गया। पाकिया ने पूछताछ में कई खुलासे किए हैं। पुलिस टीम ने पांच दिन की मेहनत के बाद ष्टष्टञ्जङ्क फुटेज और मोबाइल डाटा की मदद से पाकिया को गिरफ्तार किया है। ञ्जढ्ढ सुनील शर्मा ने बताया पाकिया अपनी बोलेरो गाड़ी से पूरी गैंग को अलीराजपुर और दाहोद बॉर्डर से इंदौर तक लाया था। गैंग में करीब 15 सदस्य हैं। बदमाशों को किराए पर लाया जाता है। काम पूरा होने के बाद उन्हें अच्छा पैसा देकर वापस भेज देते हैं। वे बॉर्डर एरिया में टीले पर घर बनाकर पुलिस पर नजर रखते थे। बायपास की कॉलोनियों को ही निशाना बनाते थे, ताकि वारदात करके आसानी से फरार हुआ जा सके।

पाकिया ने गैंग के अन्य मेंबर्स के नाम भी बताए हैं। उनकी तलाश की जा रही हैं। पाकिया ने पूछताछ में पुलिस को बताया कि अलीराजपुर और दाहोद बॉर्डर के टीले पर करीब 150 परिवार बसे हैं। ये लोग लूटपाट, डकैती और चोरी जैसी वारदात करते हैं। पुलिस का मूवमेंट देखते ही रफूचक्कर हो जाते हैं। पाकिया वारदात के बाद से सोशल मीडिया पर आ रही खबरों को लेकर इंदौर पुलिस पर नजर बनाए हुए था। दो दिन से धानपुर पुलिस स्टेशन (दाहोद-गुजरात) पर भी नजर रख रहा था। सर्चिंग के दौरान पुलिस को गुजरात से एक लिंक मिला था। इसके बाद पुलिस दाहोद के उस इलाके में पहुंची जहां यह पूरी गैंग सक्रिय है। यहां एसआई विशाल यादव, हेड कॉन्स्टेबल पंकज सांवरिया और अन्य स्टाफ आदिवासियों के भेष में घूमा।

विधायक जयवर्धन सिंह का पंचायत मंत्री पर तंज

गुना। पूर्व मंत्री और राघोगढ़ विधायक जयवर्धन सिंह ने प्रदेश के पंचायत मंत्री पर तंज कसा है। उन्होंने कहा कि मंत्री बेफिजूल की बातें करते हैं। पंचायत मामंत्री घोटालों में मशहूर हैं। बमोरी नगर परिषद नहीं है, वहां कोई बड़ा कॉलेज नहीं है, कोई उद्योग नहीं है। न ही वहां आईटीआई है और न ही पॉलीटेक्निक कॉलेज है। जब किसी के ऊपर सत्ता का नशा छा जाता है, तो ऐसी ही बेफिजूल की बातें करते हैं। विधायक जयवर्धन सिंह सोमवार को कांग्रेस कार्यालय में बैठक लेने पहुंचे थे। यहां उन्होंने 21 जुलाई को ग्वालियर में होने वाली प्रियंका गांधी की सभा की तैयारियों को लेकर चर्चा की। उन्होंने बैठक में मौजूद कांग्रेस के पूर्व विधायक, नगरपालिका, पंचायत जनप्रतिनिधि, पार्टी पदाधिकारी, कार्यकताओं को संबोधित करते हुए 21 जुलाई को प्रियंका गांधी की सभा में गुना से बड़ी संख्या में लोगों ले जाने का लक्ष्य सौंपा है। विधायक ने कार्यकताओं से कहा है कि गुना जिले की चारों विधानसभाओं से लगभग छह हजार कार्यकर्ता ग्वालियर पहुंचेंगे। इसके लिए माइक्रो लेवल तक प्लानिंग की जा रही है। जिसमें कार्यकताओं को लाने ले जाने के लिए वाहनों की व्यवस्था से लेकर उनके भोजन आदि की तैयारियां भी सुनिश्चित की गई।

बैटरी-केबल शॉर्ट से लगी थी वंदे भारत ट्रेन में आग!

ट्रेन सेफ्टी एक्सपर्ट्स को आशंका, कारण का खुलासा जांच रिपोर्ट में होगा

भोपाल। रानी कमलापति-निजामुद्दीन वंदे भारत एक्सप्रेस के ष्ट-14 कोच के बैटरी बॉक्स में आग बैटरी शॉर्ट अथवा केबल शॉर्ट के कारण लगी थी। हालांकि, बैटरी अथवा केबल शॉर्ट क्यों हुई? इसका खुलासा रेलवे के सेफ्टी इंजीनियर्स की जांच रिपोर्ट आने के बाद ही होगा। हादसे के बाद सेफ्टी और इलेक्ट्रिकल विंग के इंजीनियर्स ने तकनीकी जांच की। प्राथमिक जांच में आग लगने की शुरूआत बैटरी बॉक्स से होने के सबूत मिले हैं। वहीं, रेलवे की इंटीग्रल कोच फैक्टरी चेन्नई से जुड़े अफसरों ने भी आग लगने की वजह बैटरी अथवा केबल शॉर्ट होना बताई है। माना जा रहा है कि यह शॉर्ट सर्किट बैटरी के फॉल्टी होने अथवा

केबल में आई खराबी के कारण हुआ है? वास्तविक कारण का खुलासा रेलवे के ट्रेन सेफ्टी डिपार्टमेंट की जांच रिपोर्ट में होगा। बता दें, सोमवार सुबह क्र्यस्क्क निजामुद्दीन वंदे भारत एक्सप्रेस के ष्ट- 14 कोच के नीचे लगे बैटरी बॉक्स में आग लग गई थी। इसके चलते ट्रेन को तीन घंटे से ज्यादा समय तक बीना के नजदीक कुरवाई-कैथोरा रेलवे स्टेशन पर रोका गया था। वंदे भारत एक्सप्रेस के सी-14 कोच के बैटरी बॉक्स में लगी आग के बाद बैटरी निकाला गया। इसकी जांच की जाएगी। वंदे भारत एक्सप्रेस के सी-14 कोच के बैटरी बॉक्स में लगी आग के बाद बैटरी निकाला गया। इसकी जांच की जाएगी। इंटीग्रल कोच फैक्टरी चेन्नई के पूर्व महाप्रबंधक सुधांशु मणि ने बताया कि बैटरी और केबल का बॉक्स कोच के बाहर होता है। इस कारण बैटरी बॉक्स में लगी आग के कोच तक पहुंचने का खतरा कम रहता है। कोच फैक्टरी से जुड़े रहे इलेक्ट्रिकल इंजीनियर्स के मुताबिक कोच के बाहर बैटरी बॉक्स पैसेंजर सेफ्टी को बढ़ाने के लिए लगाया गया है। वंदे भारत के बैटरी बॉक्स में आग लगने से क्या यात्रियों में ट्रेन की सिक्योरिटी फीचर को लेकर भरोसा कम होगा? इस सवाल के जवाब में सुधांशु मणि बताते हैं कि वंदे भारत ट्रेन के बैटरी बॉक्स में आग लगना गंभीर मामला है, लेकिन बैटरी बॉक्स में कोई भी ऐसी चीज नहीं होती, जिससे आग कोच तक पहुंचे। इस कारण बैटरी बॉक्स में आग का पैसेंजर सेफ्टी के मुद्दे पर खास इश्यू नहीं है। इस घटना से पैसेंजर का भरोसा कम नहीं होना चाहिए। ट्रेन में आग लगने का संभावित कारण बैटरी का फॉल्टी होना हो सकता है। एक्सपर्ट्स के मुताबिक लीथियम आयरन फॉस्फेट बैटरी खासतौर से वंदे भारत के लिए ही डिजाइन की गई है। इसे मेधा नाम की कंपनी बनाती है। इसके अलावा, अन्य ट्रेनों में भी बैटरी का इस्तेमाल किया जाता है। मगर, वह लेड एसिड होती हैं। वंदे भारत में हर चार कोच के बीच एक बैटरी लगी है। इस ट्रेन में कुल चार बैटरियां लगी हैं। इमरजेंसी में वंदे भारत के एक कोच को अलग नहीं किया जा सकता है।

दैनिक रोकठोक लेखनी
खबरें बे-रोकटोक
मुंबई : शुक्रवार 21 जुलाई 2023

बच्चों को रितेश जैसे बनाना चाहती हैं जेनेलिया

एक्टर रितेश देशमुख और जेनेलिया की शादी को 11 साल से ज्यादा का समय बीत चुका है। साउथ फिल्म इंडस्ट्री की मशहूर एक्ट्रेस रहीं जेनेलिया ने शादी के बाद एक्टिंग छोड़ दी। हालांकि जब उनके बच्चे रियान और राहिल बड़े होने लगे, तो रितेश ने उन्हें फिल्मों में वापसी करने के लिए मोटिवेट किया। जिसके बाद एक्ट्रेस ने फिल्मों में वापसी की।

जूम एंटरटेनमेंट से हालिया बातचीत में, जेनेलिया ने कहा- मैं घर पर रहने और काम न करने के कारण अपने कंफर्ट जोन में आ गई थी। शुरूआत में मैंने बच्चों के लिए फिल्मों से ब्रेक ले रखा था। लेकिन बाद में उन्होंने आलस के कारण काम नहीं किया। मुझे धीरे-धीरे घर पर रहकर आराम मिलने लगा।

तब रितेश ने मुझसे कहा- 'तुम क्या कर रही हो?' उन्होंने मुझे याद दिलाया कि मुझे एक्टिंग करना पसंद है। मुझे ऐसा लगता है कि रितेश के बिना मैं बहुत सी चीजें नहीं कर पाती।'

जेनेलिया ने अपन पति को बेहतरीन और सिक्योर इंसान बताया। उन्होंने कहा- 'एक पुरुष की वैल्यू तब देखी जाती है, जब वह बेहद सिक्योर होता है। जब एक महिला की सफलता उसे परेशान नहीं करती है। मैं वाकई रितेश को पाकर खुद को लकी मानती हूं। जेनेलिया ने बताया कि जब वह काम करती हैं, तब रितेश हाउस मैन बन जाते हैं और इसे लेकर उन्होंने कभी भी कोई हंगामा नहीं किया।

जेनेलिया ने कहा कि वो चाहती हैं कि उनके बच्चे बिल्कुल अपने पिता जैसे बनें। वो बहुत कॉन्फिडेंट हैं। वो बहुत सी चीजें करते हैं। वो सिर्फ एक अच्छे एक्टर ही नहीं, बल्कि अच्छे आर्किटेक्ट, अच्छे प्रोड्यूसर और एक अच्छे इंटरप्रेन्योर।'

उन्होंने कहा- 'उनके पास ढेरों जिम्मेदारियां हैं, इसके बावजूद वो एक बेहतरीन पिता हैं। वो बच्चों के साथ वक्त बिताते हैं। वो ऐसे पिता नहीं हैं, जो बच्चों के सोने के बाद घर आएं। जिंदगी में उनके जैसा इंसान होंने से लाइफ में बहुत बैलेंस रहता है।'

रितेश-जेनेलिया 3 फरवरी, 2012 को शादी के बंधन में बधें। इससे पहले दोनों ने 9 साल तक एक-दूसरे को डेट किया। मस्ती और तुझे मेरी कसम जैसी फिल्मों में साथ काम करने के बाद, उन्होंने हाल ही में रितेश के डायरेक्शन में बनी पहली फिल्म में वेद में एक बार फिर साथ काम किया। इस फिल्म में दोनों की ऑनस्क्रीन केमिस्ट्री को खूब पसंद किया गया। वहीं यह फिल्म ब्लॉकबस्टर भी रही।

आखिर कंगना रनौत ने क्यों कहा ऐसा, नीतू ने दिया करारा जवाब?...

बॉलीवुड की टॉप एक्ट्रेस में शामिल कहे जाने वाली कंगना रनौत अपनी धाकड़ एक्टिंग और सुपरहिट फिल्मों से लोगों के दिलों को जीता है। एक्ट्रेस अपने बेबाक अंदाज के लिए भी जानी जाती है। बात राजनीति से जुड़ी हो, बॉलीवुड से या फिर देश से कंगना अपनी राय खुलकर लोगों के सामने रखती हैं। अक्सर कंगना रनौत बॉलीवुड के कई लोगों पर भी हमलावर रहती हैं। पहले ही एक्ट्रेस बॉलीवुड के कई सेलेब्स पर निशाना साध कर उनसे पंगा ले चुकी है कि अब एक्ट्रेस ने नाम लिए बगैर बॉलीवुड एक्टर रणबीर कपूर और उनकी पत्नी आलिया भट्ट पर निशाना साधा है। जिस पर नीतू कपूर ने नराजगी जताते हुए कंगना रनौत को करारा जवाब दी है। दरअसल, कंगना रनौत ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर एक लंबा चौड़ा पोस्ट किया है। इस पोस्ट में कंगना ने बताया है कि हाल ही में नीतू कपूर के बर्थडे में उनकी बहू आलिया भट्ट और उनकी पोती रहा शामिल नहीं हुई। दोनों भारत में ही थे। जबकि नीतू कपूर का बर्थडे लंदन में सेलिब्रेट किया गया। कंगना रनौत ने रणबीर कपूर और आलिया भट्ट के रिश्ते पर तंज कसते हुए कहा कि अलग-अलग फ्लोर पर रहने वाले ये पति पत्नी फिल्म के लिए कोलैबोरेशन की झूठी खबर फैला रहे हैं। ये ऐसे लोग हैं जो कि दूसरे के ब्रांड को खुद का ब्रांड बताते हैं। आगे कंगना रनौत ने रणबीर कपूर और आलिया भट्ट की शादी को फेंक बताते हुए कहा कि इस तरह के मामले तब सामने आते हैं जब शादी, मूवी, प्रमोशन पैसे या काम के लालच में की जाती है, प्यार में रहकर नहीं। माफिया डैडी के प्रेशर में आकर एक्टर ने शादी तो कर ली और सोचा होगा कि उन्हें तीन-चार फिल्मों में कास्ट किया जाएगा लेकिन पापा की परी से शादी करने के बाद फिल्में नहीं मिली तो अब वो इस रिश्ते शादी को खत्म करने के चक्कर में हैं। कंगना रनौत ने ये भी दावा किया कि एक्टर उन्हें लगातार मैसेज कर मिलने के लिए कह रहे हैं लेकिन वो उनसे नहीं मिल रहीं। एक्ट्रेस ने कहा है कि एक्टर को अपनी पत्नी और बेटी पर ध्यान देने की जरूरत है। वो भारत में हैं, यहां अगर एक बार किसी से शादी हो जाती है तो सुधर जाना चाहिए। एक्ट्रेस ने कहा कि लोगों को मिलकर इस झूठी फर्जी जोड़ी का सच सामने लाना चाहिए। नीतू कपूर का रिएक्शनः- कंगना रनौत की इस पोस्ट पर नीतू कपूर का रिएक्शन भी सामने आया है। नीतू कपूर ने एक पोस्ट शेयर कर लिखा है कि उनका परिवार अब पहले जैसा इसलिए नहीं है। क्योंकि उन्होंने अब उन लोगों को बरी कर दिया है जो कि परिवार के साथ होने का झूठा ढोंग करते हैं।

खैर नीतू कपूर ने इस पोस्ट में किसी का नाम तो नहीं लिखा है लेकिन माना जा रहा है कि उन्होंने ये पोस्ट कंगना रनौत को लेकर ही किया है।'',

हाई सिक्योरिटी के बीच बाबा अमरनाथ की यात्रा करने पहुंची सारा

बॉलीवुड अदाकारा सारा अली खान को लोग अक्सर इसलिए ट्रोल करते रहे हैं क्योंकि वो समय-समय पर हिन्दू मंदिरों में नजर आती रही हैं। फिल्म जरा हटके, जरा बचके की रिलीज के दौरान सारा अली खान ने मीडिया से बात करते हुए कहा था कि वो ट्रोल्स की बातों पर ध्यान नहीं देती हैं। उनकी आस्था है, जिस कारण वो भगवान के सामने सिर झुकाती हैं। लोग चाहें उन्हें कितना भी ट्रोल करें लेकिन वो इस कारण मंदिर जाना बंद नहीं करेंगी। सारा अली खान ने अपनी बात पर अडिग रहीं और इस वक्त वो बाबा अमरनाथ के दर्शन करने के लिए निकली हुई हैं। सारा अली खान का एक वीडियो इंटरनेट पर आग की तरह फैल रहा है, जिसमें वो बाबा अमरनाथ के दर्शन करने के लिए जाती दिख रही हैं। बॉलीवुड अदाकारा सारा अली खान इस वक्त बाबा अमरनाथ के दर पर हैं। वायरल हो रही है वीडियो में सारा अली खान अमरनाथ यात्रा के लिए जाती दिखाई दे रही हैं। वायरल हो रही वीडियो में सारा अली खान हाई सिक्योरिटी में बाबा अमरनाथ के दर पर जाती दिख रही हैं। सारा अली खान के फैंस ये वीडियो देखने के बाद उनकी तारीफ कर रहे हैं क्योंकि वो आम लोगों की तरह लाइन में लगकर आगे बढ़ रही हैं।

बताते चलें कि सारा अली खान घूमने की शौकीन हैं। उन्हें जब भी वक्त मिलता है, वो अपना सामान उठाकर घूमने के लिए निकल देती हैं। सारा अली खान आम सितारों से अलग हैं क्योंकि वो स्टारडम को सिर पर कैरी नहीं करती हैं।

मालिक , मुद्रक,प्रकाशक ,संपादक फैसल शेख ने सोमानी प्रिंटिंग प्रेस , गाला नं 3 - 4 ,अमीन इंडस्ट्रियल इस्टेट ,सोनावला क्रॉस रोड नं 12 ,गोरगांव (पूर्व),मुंबई 63 से छपवाकर रूम नं 15 रमजान बिन 17 सी बंजावडी, माहिम वेस्ट मुंबई :4000 16 से प्रकाशित किया। संपर्क कार्यालय : 1 -ए, ग्राउंड फ्लोर साहिल मेंशन, बालमिया लेन, माहिम वेस्ट मुंबई 400016 मोबाइल नं 9987 77 5650 व्हाट्सप्प नं 7977 40 8589 : Email -editor@rokthoklekhaninews.com